भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1118
गुरुवार, 5 फ़रवरी, 2026/16 माघ, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

चित्रकूट में विमानपत्तन का निर्माण

1118. श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेलः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) चित्रकूट में प्रस्तावित/निर्माणाधीन विमानपत्तन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) उक्त विमानपत्तन से नियमित हवाई सेवाओं के संचालन हेतु अब तक पूर्ण किए गए तकनीकी, प्रशासनिक तथा सुरक्षा मानकों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का उड़ान योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय हवाई संपर्क के तहत चित्रकूट को जोड़ने का प्रस्ताव है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने चित्रकूट में हवाई सेवाओं की शुरुआत से स्थानीय पर्यटन, रोजगार एवं आर्थिक विकास पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का कोई आकलन किया है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ङ): चित्रकूट हवाईअड्डे की पहचान क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान की बोली प्रक्रिया के दूसरे दौर के तहत विकास के लिए की गई थी। हवाईअड्डे को 32.79 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है और इसे 2बी-वीएफआर प्रचालनों के लिए लाइसेंस प्राप्त है।

आरसीएस योजना के तहत, चित्रकूट को कानपुर, खजुराहो, प्रयागराज और वाराणसी से जोड़ने वाले मार्गों को आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए मैसर्स फ्लाईबिग को अवार्ड किया गया था। मैसर्स फ्लाईबिग ने उक्त मार्गों के लिए अपने आरसीएस अधिकारों और दायित्वों को मैसर्स स्काईहॉप एविएशन प्राइवेट लिमिटेड को नवीकृत किया है। मैसर्स स्काईहॉप वर्तमान में एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) प्राप्त करने और विमान के अधिग्रहण सहित विनियामक और परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रक्रिया में है।

आईसीएओ के एक अध्ययन के अनुसार - "नागर विमानन के आर्थिक लाभ: समृद्धि की लहर", विमानन के उत्पादन और रोजगार गुणक क्रमशः 3.25 और 6.10 हैं। इसका तात्पर्य यह है कि हवाई परिवहन पर खर्च किए गए प्रत्येक 100 रुपये से 325 रुपये के लाभ का योगदान होता है, और हवाई परिवहन में प्रत्येक 100 प्रत्यक्ष नौकरियों के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में कुल मिलाकर 610 नौकरियां सृजित होती हैं।

******